सारांश-

मूल्यों का संबंध मनुष्य के बाहरी आचार-विचार, रहन-सहन, खान-पान, और रीति-रिवाज से ही नहीं वरन् उनकी अंतरात्मा की शुद्धता से होता है, जिससे मनुष्य अपने आस-पास के वातावरण को सुनियोजित, मूल्यपरक ढंग से व्यवस्थित रख सके। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी अपने जीवन काल में मानवीय मूल्यों को आत्मसात किए रहे और समाज को एक मूल्यपरक दिशा देने का प्रयास करते रहे। इन मूल्यों की मनोवैज्ञानिक विवेचना समकालीन परिस्थिति में अति प्रासंगिक हो गयी है। इन मूल्यों को सरल एवं स्पष्ट रूप में लोगों तक पहुचाने की आवाशयाकत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य गांधी जी के द्वारा अनुसरित एवं वर्णित जीवन मूल्यों के मनोवैज्ञानिक सन्दर्भ को स्पष्ट करना है। विशेष रूप से इसमें इन जीवन मूल्यों के मनो-सामाजिक आयामों और दैनिक जीवन से सम्बंधित लाभकारी पहलूओं को व्याख्यायित किया गया है। महात्मा गाँधी जिन्होंने भारत की आजादी के नायक के अतिरिक्त विश्व में अपने अनेक कार्यों के लिए ख्याति पायी है, जिनके बारे में आइंस्टीन जैसे महान वैज्ञानिक ने कहा है कि "आने वाली पीढियां शायद ही यह भरोसा करे कि हाड़-मांस की शरीर वाला ऐसा भी कोई व्यक्ति रहा होगा।" इस शोध अध्ययन में हिन्द-स्वराज पुस्तक में गाँधी जी ने किन मूल्यों को अधिक महत्त्व दिया है? तथा गाँधी जी द्वारा तात्कालिक प्रतिकूल परिस्थितियों से निबटने के लिए किन मूल्यों को अधिक प्रासंगिक माना गया? तथा मूल्यों के दृष्टिकोण से इस पुस्तक की क्या महत्ता है? जैसे प्रश्नों को केंद्र में रखा गया है. प्रस्तुत शोध कार्य शुद्ध रूप से गुणात्मक विधि पर आधारित है। विषयवस्तु विश्लेषण के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण व विवेचना करते हुए, यह समझने का प्रयास किया गया है कि हिन्द स्वराज में गांधी जी के द्वारा प्रस्तावित जीवन मूल्यों के मनोवैज्ञानिक पहलू क्या हैं? गाँधी जी को सम्पूर्णता एवं समग्रता में समझने के लिए उन पर अनगिनत शोध हो चुके हैं, परन्तु वास्तव में हम गाँधी जी को अभी तक अंश मात्र ही समझ पाए हैं। यह शोध मूल्यों के दृष्टिकोण से गाँधी जी को अधिक स्पष्ट एवं सरलतम रूप में लोगों के सम्मुख लाने का एक सफल प्रयास है। मूल्यों की दृष्टि से गाँधी के साहित्य में किया गया यह प्रथम एवं अभूतपूर्व अध्ययन है जो किसी निष्कर्ष तक ले जाने की अपेक्षा आगे शोधों के लिए अनेक नवीन मार्ग प्रशस्त करता है। यह अध्ययन अनेक ऐसे तथ्यों को उजागर करता है जो कि अभी तक विद्वानों द्वारा रेखांकित नहीं किये गए हैं। शोध के पूर्व हमें यही ध्यातव्य था कि गाँधी जी अपने जीवन में नैतिक मूल्यों को सर्वोपरि रखते थे परन्तु अध्ययन से प्राप्त तथ्य यह बताते हैं कि

नैतिक मूल्यों की महत्ता तो गाँधी के जीवन में थी ही परन्तु गाँधी उन्हें प्राप्त करने वाले मूल्यों अर्थात् इंस्ट्रुमेंटल मूल्यों को अधिक प्राथमिकता देते थे। निःसंदेह यह तथ्य समाज को नयी दिशा प्रदान करने में सहायक होगा। हिन्द स्वराज में तत्कालीन समस्याओं से सम्बंधित मूल्यों की संख्या एवं आवृत्ति अधिक है जिसको हम गाँधी की आजादी की लड़ाई के प्रति सच्ची निष्ठा एवं संलग्नता के रूप में देख सकते हैं। हिन्द-स्वराज पुस्तक में निहित मुख्य मूल्य एवं सहायक मूल्यों की पहचान कर उन्हें स्पष्टतः परिभाषित करते हुए तथा उनके परस्पर सम्बन्धों को स्पष्ट किया गया है। गांधीजी की दृष्टि में मूल्यों की महत्ता एवं उन मूल्यों को "हिन्द-स्वराज" में चिन्हित कर विश्लेषित किया गया है साथ ही साथ हिन्द-स्वराज में निहित मूल्यों की वर्तमान प्रासंगिकता की समीक्षा की गयी है। शोध अध्ययन में प्राप्त हिन्द स्वराज के सम्पूर्ण मूल्यों का एक सैद्धांतिक ढांचा भी तैयार किया गया है.

मुख्य शब्द- हिन्द स्वराज, मूल्य

Abstract-

Relation of values are not to external conduct of human, living, eating, and customs but they are related by their purity of conscience, which allow humans to plan the environment around them. Rashtrapita Mahatma Gandhi also in his lifetime assimilated the human values and tried to give a values oriented direction to the society. Psychological interpretation of these values are become extremely relevant in contemporary situation. These values are necessary to get reach of people simply and clearly. The aim the present study, in this perspective, is to clarify the psychological context of Gandhi's accepted and described life values. Especially, in these psycho-social dimensions of life values and daily The beneficial aspects associated with life have been described. India's independence hero Mahatma Gandhi, who in addition, to his numerous actions in the world have found fame, about whom Einstein; great scientist, said that "Generations to come, it may well be, will scarce believe that such a man as this one ever in flesh and blood walked upon this Earth". In this research study, which values are given more importance by Gandhi-Ji in his book 'Hind-Swaraj? And, to deal with contemporary adverse situations, Gandhi Ji regarded, what was more relevant values? And, what is the importance of this book from the perspective of values? Such questions are kept in the centre. Present research work is purely based on qualitative method. Through the content analysis of research methodology, obtained data are analyzed and interpreted, along with it, an attempt is made to understand that what are the psychological aspect of life values as proposed by Gandhi-Ji in Hind Swaraj? To understand Gandhi-Ji in the entirety and totality, countless research work have been done. But we really understand Gandhi-Ji yet merely fragment. This research is a successful effort to make Gandhi-Ji clearer and simpler before people. This research, from the point of view of values, in Gandhi's literature, is first and an unprecedented study which instead of moving to a conclusion, further paves the way for several new researches. This study exposes many such facts that so far have not been outlined by scholars. Before

the research was Gandhi's former research, researcher only knew Gandhi gave the first priority to moral values in his life but data obtained from the study points out that moral values had the important place in Gandhi's life but he gave those values more importance which help to achieve that of moral i.e. gave more priority to instrumental values. Of course, this fact will help to provide new direction to the society. The number and frequency of problems associated with higher values are more in Hind Swaraj, to which we can see in the form of fight for freedom of true fidelity of Gandhi and his involvement. The main values and adjuvant values contained in the book 'Hind Swaraj' are identified, clearly defined and clarified their mutual relations. Importance of values in the eye of Gandhi, and those values have been marked and analyzed as well as the relevance of the values contained in the Hind Swaraj are reviewed. Through the data obtained from the research study, a theoretical framework has been prepared of entire values of Hind Swaraj.

Key words- Hind Swaraj, Value